भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2879

28 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात बनाने में प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग

2879. श्री अबीर रंजन बिस्वास:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान में देश में इस्पात बनाने वाली किसी भी कंपनी द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;

(घ) क्या सरकार इस्पात उत्पादकों को इस्पात के उत्पादन में प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) और (ख): वर्तमान में, इस्पात संयंत्रों में प्लास्टिक अपशिष्टों की काफी कम मात्रा प्रयोग में लायी जा रही है। यह निम्नलिखित के कारण है:-

(i) प्लास्टिक अपशिष्ट को प्रत्यक्ष रूप से पुन:चक्रित नहीं किया जा सकता क्योंकि इसमें विभिन्न अशुद्धियां जैसे कि धूल, राख, धातु, जल इत्यादि होती हैं, जिन्हें आगे प्रसंस्कृत किये जाने से पहले हटाना आवश्यक होता है।

(ii) सभी प्रकार के प्लास्टिक अपशिष्टों को हानिकारक तत्वों जैसे कि सल्फर एवं क्लोरीन की विद्यमानता के कारण प्रयोग में नहीं लाया जा सकता हैं।

(iii) इस्पात क्षेत्र के लिए उपयुक्त सही प्रकार के प्लास्टिक अपशिष्टों के संग्रहण एवं पृथक्करण में आने वाली चुनौतियाँ।

(iv) लौह एवं इस्पात निर्माण प्रक्रियाओं में प्रभावी उपयोग हेतु प्लास्टिक अपशिष्टों के रूप एवं आकार में बदलाव लाने के लिए व्यापक पूर्व-प्रशोधन की आवश्यकता।

(ग) से (ङ): कोक ओवन, ब्लास्ट फर्नेस एवं इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में प्लास्टिक अपशिष्टों का उपयोग पहले से ही स्थापित किया जा चुका है। इस्पात उद्योग एक नियंत्रणमुक्त उद्योग है और इस्पात कंपनियां प्रौद्यो-आर्थिक सोच-विचारों के आधार पर इनपुट सामग्री के उपयोग के संबंध में स्वयं अपना निर्णय लेती हैं। तद्नुसार, इस्पात मंत्रालय ने इस्पात उत्पादन में प्लास्टिक अपशिष्टों के उपयोग हेतु इस्पात कंपनियों को किसी भी प्रकार की मौद्रिक सहायता नहीं प्रदान की है।

****